ANDHRA UNIVERSITY
SCHOOL OF DISTANCE EDUCATION
ASSIGNMENT QUESTION PAPER 2019-2020
M.A. (Previous) Hindi
Answer ALL Questions
PAPER : I - HISTORY OF HINDI LITERATURE

20 Marks

1. a) इतिहास और साहित्ये तिहास के अंतर को स्पष्ट करते हुए, साहित्य के इतिहास के विविध द्वष्टिकोणों पर प्रकाश डालिए।

   b) हिन्दी साहित्य का इतिहास के काल - विभाजन और नामकरण की समस्याओं पर प्रकाशा डालिए।

2. a) आदिकालीन साहित्य के सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक संदर्भ का विश्लेषण कीजिए।

   b) आदिकाल की प्रवृत्तियों का परिचय देते हुए आदिकाल की प्रतिनिधि रचनाओं की समीक्षा कीजिए।

3. a) भक्ति कालीन सहित्यिक चेतना और प्रकृत्तियों का विवेचन कीजिए।

   b) राम भक्ति शाखा की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

4. a) रीतिकालीन काव्य के विभिन्न प्रेरणा स्त्रोतों का परिचय देते हुए रीतिकाल की प्रवृत्तियों की समीक्षा कीजिए।

   b) रीतिकालीन साहित्य चेतना का परिचय देते हुए प्रमुख कवियों की रचनाओं की समीक्षा कीजिए।

5. a) आधुनिक काल की पृष्टभूमि का विश्लेषण करते हुए भारतेन्दु युग की विशेषताओं का रेखांकन कीजिए।

   b) हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास के विभिन्न चरणों की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

PAPER : II - Theory of Literature

20 Marks

1. a) रस संप्रदाय के इतिहास को स्पष्ट करते हुए भरते के रस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

   b) ध्वनि सिद्धांत का परिचय दीजिए।

2. a) अलंकार की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए अलंकार सिद्धांत की प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए।

   b) वक्रोक्ति किसे कहते हैं? वक्रोक्ति के भेदों पर प्रकाश डालिए।

3. a) प्लेटो के अनुकरण सिद्धांत और काव्य - प्रेरणा सिद्धांतों का परिचय दीजिए।

   b) आई. ए. रिचर्डस के मूल्य सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए।

4. a) मार्क्सवादी साहित्य चिंतन की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

   b) रूपवाद की विशेषताओं का परिचय दीजिए।

5. a) प्रबंध काव्य और मूलक काव्य की विशेषताओं की तुलना कीजिए।

   b) किन्हीं दो पर टिप्पणि लिखिए।
      1) उपन्यास और कहानी का अंतर
      2) रेखा चित्र और संस्मरण
      3) महाकाव्य के लक्षण
      4) जीवनी के तत्व

PAPER : III - Modern Hindi Poetry

20 Marks

1. सप्रसंग व्याख्य कीजिए।

   a) i) ''गगन - मण्डल में रज छा गई।
   दश - दिशा बहुशब्दमयी हुई।
   विशद गोकुल के प्रति - गेहमें
   बहचला वर - स्त्रोत विनोद का।''

   ii) ''नित्य यौवन छवि से ही दीप्त
   विश्व की करुण कामना मूर्ति,
   स्पर्श के आकर्षण से पूर्ण
   प्रकट करती ज्यों जड़ में स्फूर्ति।''

   b) i) ''चाँदनीरात का प्रथम प्रहर
   हम चले नाव लेकर सत्वर।
   सिकता की सस्मित - सीपी पर मोती की ज्योत्स्ना रही
   विचर पालें बँधी, खुला लंगरा''

   b) ii) वेदना में जन्म, करुणा में मिला आवास
   अमृ चुनता दिवस इसका, अमृ गिनती रात ।
   जीवन विरह का जलजात।

c) i) ''मरने के बाद भी
यम के गलि यारे में
चलते रहेंगे सदा
दाएँ से बाएँ
और बाएँ से दाएँ''

ii) ''सारा तुम्हारा वंश
इसी तरह पागल कुत्तों की तरह
एक दूसरे को परस्पर फाड़ खायेगा
तुम खुद उनका विनाश करके कई वर्षों बाद
किसी धने जंगल में
साधारण व्याध्र के हाथों मारे जाओगे।''

d) i) किन्तु हम हैं द्वीप। हम धारा नहीं हैं।
स्थिर समर्पण है हमारा। हम सदा से द्वीप हैं स्त्रोतस्विनी के
किन्तु, हम बहते नहीं हैं। क्यों कि बहना रेत हो ना है।

ii) ''वहकाला धब्बा कल तक एक शब्द था,
खून के अँधेरे में दवा का ट्रेडमार्क
बन गया था।''

2. a) आधुनिक कविता के प्रेरणा स्त्रोतों को स्पष्ट करते हुए द्विवेदी युग की कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

b) 'प्रिय प्रवास' की वस्तु और शैली पर विचार कीजिए।

3. a) छायावादी कविता के आधार - स्तंभ प्रसाद और निराला के काव्य वैशिष्य का प्रतिपादन कीजिए।

b) पंत के प्रकृति चित्रण की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

c) 'कामायनी' महाकाव्य के जीवन दर्शन का विश्लेषण कीजिए।

4. a) प्रगतिवादी काव्य प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

b) प्रयोगवाद के उद्भव और विकास को स्पष्ट कीजिए।

c) अज्ञेय के काव्य वैशिष्ट्रय पर प्रकाश डालिए।

5. a) छायावादोत्तर विशिष्ट रचनाकारों का परिचय दीजिए।

b) धर्मवीर भारती के द्वारा लिखित 'अंधायुग' की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

PAPER : IV - Hindi Prose **20 Marks**

1. a) ''निर्मला जब वस्त्राभूषणों से अलंकृत होकर आइने के सामने खडी होती और उस में अपने सौन्दर्य की सुषमापूर्ण आभा देखती, तो उस का हदय एक सतृष्ण कामना से तड़प उठता था। उस वक्त उस के हदय में एक ज्वाला सी उठती''।

ii) संघर्ष। युद्ध देखना चाहो, तो मेरा हुदय फाड़ कर देखो मालविक। आशा और निराश का सुद्ध, भावों और अभावों का द्वन्द्वा। कोही कमी नहीं, फिर भी न जाने कौन मेरी संपूर्ण सूची में रिक्त चिन्ह लगा देता है।

b) कपट क्रीडा में उस की जान बसती थी। अध्यापकों को बनाने और चिढ़ाने, उद्योगी बालकों को छेड़ने और रूलाने में ही उसे आनन्द आता था। ऐसे - ऐसे षड़यंत्र रचता, ऐसे ऐसे फंदे डालता, ऐसे बंधन बाँधता कि देखकर आश्चर्य होता था।''

ii) ''कैसे चली जाऊँ, केशव। मैं विवाहिता हूँ, और विवाहिता क्या होती है, यह तुम्हें बताने की जरूरत नहीं है। लेकिन, अगर तुम मुझे दासी बनाना चाहो, तो यह नहीं होगा, नहीं हो सकता।''

c) ''संसार से तटस्थ रहकर शान्ति-सुख पूर्वक लोक - व्यवहार संबंधी उपदेश देनेवालों का उत्तना अधिक महत्व हिन्दु धर्म में नहीं है जितना संसार के भीतर महत्व हिन्दु धर्म में नहीं है जितना संसार के भीतर घुसकर उस के व्यवहारों के बीच सात्विक विभूति कि ज्योति जगानेवालों का है। हमारे यहाँ उपदेशक ईश्वर के अवतार नहीं माने मये है। अपने जीवन द्वारा कर्म - सौंदर्य संघरित करनेवाले ही अवतार कहे गये हैं।''

ii) लोभियों का दमन योगियों के दमन से किसी प्रकार कम नहीं होता। लोभ केवल से वे काम आर क्रोध को जीतते हैं, सुख की वासना का त्याग करते हैं। मान - अपमान में समान भाव रखते हैं।''
मैं लेखक बन गया था। क्यों कि यह मेरी नियति थी। मैं और कुछ हो भी नहीं सकता था। आंतरिक तनावों, दबाओं, हीन - भावनाओं और अनेक ग्रंथियों का शिकार में शायद ऐसे ही एकमंडवे की तलाश में था जिस में मैं अपने को छिपा सकूँ।''

iii) ''नदियाँ बह रही हैं, जो कुर्सियों में समा जाती हैं। सारी नदियाँ अंततः कुर्सियों में बदल जाती हैं। प्रवाह की आत्मा टेबल की राक्त ले लेती है। शरीर कुर्सि का है। चिंतन चालू है। नदी कुर्सी है।''

2. a) निर्मला उपन्यास के प्रमुख पात्रों के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

b) 'प्रेरणा' कहानी के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

3. a) 'चंद्रगुप्त' नाटक के नायक कौन हैं? स्पष्ट कीजिए।

   b) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

4. a) 'उत्साह' निबंध में अभिव्यक्त रामचन्द्रशुक्ल जी के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

   b) आचार्य रामचन्द्र शुक्ली की निबंध शैली पर प्रकाश डालिए।

5. a) धर्मवीर भारती के द्वारा लिखित 'आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी' व्यक्ति चित्र की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

   b) 'अखिरी चट्टान' यात्रा - वृतांत की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

PAPER : V - Premchand
20 Marks

(प्रेमचंद)

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

a) i) ''लोगों को शंका थी कि वेश्याओं की ओर से इसका विरोध होगा, पर उन्हें यह देखकर आमोदपूर्ण आश्चर्य हुआ कि वेश्याओं ने प्रसन्नता पूर्वक इस आज्ञा का पालन किया। सारी दाल मंडी एक दिन में खाली हो गई''।

   ii) ''सुमन को इस विचार से बड़ा संतोष हुा। उसे विश्वास हो गया कि वे लोग प्रकृति के विषय - वासनावाले मनुष्य थे। उसे अपनी दशा अब उतनी दुखदायी न प्रतीत होती थी।''

b) i) ''खुदा न करे, मैं अपनी माँ का निरादर करूँ। लेकिन मैं दिखा वे के धर्म के लिए अपनी आत्मा पर यह अत्याचार नहीं होने दूँगा आप लोगों की नाराजी के खौफ से अब तक मैं ने इस विषय में कभी मुँह नहीं खोला।''

   ii) ''मैं टूटें दिखा दूँगी कि मैं अपने पैरों पर खड़ी हो सकती हूँ। अब इस घर में रहना नरक वास के समान है। इस बेहयाई की रोटियाँ खाने से भूखों मर जाना अच्छा है। बला से लोग हँसेगे, आजाद तो हो जाऊँगी।''
   ''सिंह का काम तो शिकार करना हैं, अगर वह गरजने और गुर्रने के बदले मीठी बोली सकता, तो उसे घर बैठे मन मना शिकार मिल जाता। शिकार की खोज में जंगल में न भटकना पड़ता।''

   iii) ''सिंह का काम तो शिकार करना हैं, अगर वह गरजने और गुर्रने के बदले मीठी बोली सकता, तो उसे घर बैठे मन मना शिकार मिल जाता। शिकार की खोज में जंगल में न भटकना पड़ता।''

c) i) ''आप के पास दान के लिए दया हूँ श्रद्धा है, त्याग है। पुरुष के पास दान के लिए क्या है। वह देवता नहीं, लेवता है। वह अधिकार के लिए हिंसा करता है, संग्राम करता है, कल ह करता है.....''

   ii) ''हल्कू ने रुपये लिए और इस तरह बाहर चला मानी अपना हदय निकालकर देने जा रहा हो। उस ने मजूरी से एक-एक पैसा काट-काटकर तीन रुपये कम्बल के लिए जमा किये। वह आज निकले जा रहे थे। एक-एक पग के साथ उस का मस्तक अपनी क्षीनता के भार से दबा जा रहा था।''

iii) वैधव्य के शोक से मुरझाया हुआ मुलिया का पीत बदन कमल की भाँति अरुण हो उठा। दस वर्षों में जो कुछ खोया था, वह इसी क्षण में मानो ब्याज के साथ मिल गया। वही लावण्य, वही विकास, वही आकर्षण, वही लोच।''

2. a) हिन्दी उपन्यास साहित्य में प्रेमचन्द के स्थान का निर्धारण कीजिए।

   b) 'सेवासदन' की केन्द्रिय वस्तु और विचार धारा पर प्रकाश डालिए।

3. a) 'प्रेमाश्रम' उपन्यास की कथा वस्तु ही विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

   b) 'भारतीय स्वतंत्रता से संग्राम श्रम की प्रथम हाँकी और भावनागत राम-राज्य की स्थापना' प्रेमाश्रम की अपनी विशेषता है।' इस कथन के आलोक ने 'प्रेमाश्रम' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

4. a) ''पूँजीवाद के साथ जन संघर्ष व बदलाव की महान गाथा है - प्रेमचंद की रंग भूमि'' - इस कथन के आलोक में रंग भूमि की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

   b) 'रंग भूमि' उपन्यास में चित्रित सामाजित समास्याओं पर प्रकाश डालिए।

5. a) प्रेमचंद की कहानियोंकी विषय - वसु और विचारधारा पर प्रकाश डालिए।

   b) 'ईदगाह' और 'ठाकुर का कुआँ' कहानियों के आधार पर प्रेमचंद की विचारधारा के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

PAPER : V - Premchand

20 Marks

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

a) i) ''इस के विपरीत मुझे अपने से ग्लानि होती है, यह भी, ऐसी में, उनकी प्रगति के मार्ग में बाधा भी बन सकती थी। आप के नियोजन से मैं उन्हें जाने के लिए प्रेरित नहीं करती तो कितनी बडी क्षति होती।''

   ii) ''आओ, आओ, मल्लिका। मैं देवी के सामने तुम्हारी ही प्रशंसा कर रहा था. (चाटुथारिता की हँसी हँसता है।) देवी जब से आयी है तुम्हारे संबंध में ही पूछ रही है। .....यही है हमारी, मल्लिका, इस प्रेदश की राजहंसिनी.... अ...अ...अ... मल्लिका देवी के लिए कौन - सा आसन नियोजित है।''

b) i) ''देवी यथोधरा का आकर्षण यदि राजकुमार सिद्धार्थ क बाँधकर अपने पास रख सकता, तो क्या ये आज राजकुमार सिद्धार्थ ही न होते? गौतम बुद्ध बनकर नदी - तट पर लोगों को उपदेश दे रहे होयो।''

   ii) ''तब नहीं लगा था, पर अब लगता है कि केश काटकर उन्होंने मुझे बहुत अकेला कर दिया है। घर से..... और अपने - आप से भी अकेला।

c) i) ''क्यों कि मुझे कहीं लगता है कि..... कैसे बतऊँ, क्या लगता है। वह जितने विश्वास के साथ यह बात कहता है, उससे..... उससे मुझे अपने से एक अजीब सी चिढ़ होने लगती है। मन करता है..... मन करता है आस पास की हर चीज को तोड़ - फोड़ डालूँ। कुछ ऐसा कर डालूँ जिससे.....''

   ii) यूँ तो जो कोई भी एक आदमी की तरह चलता - फिरता, बात करता है, वह आदमी ही होता है.....। पर

असल में आदमी होने के लिए क्या जरूरी नहीं कि उस में अपना एक माद्दा, अपनी एक शख्सियत हो।''

d) i) ''आभी नही उतरा, मैं उतार देती हूँ। (उस के मुँह से छिलका उतारती हुई) मैं तो समझती हूँ कि तुम सोच-सोचकर उदास नहीं होते..... उदास रहते हो, इसलिए सोचते रहते हो''।

ii) ''हल्कू ने रुपये लिए और इस तरह बाहर चला मानी अपना हदय निकालकर देने जा रहा हो। उस ने मजूरी से एक-एक पैसा काट-काटकर तीन रुपये कम्बल के लिए जमा किये। वह आज निकले जा रहे थे। एक-एक पग के साथ उस का मस्तक अपनी क्षीनता के भार से दबा जा रहा था।''

iii) ''कल परसों से घंटा लेट.... आज एक घंटा लेट कल से..... इस का मतलबै कि दो - तीन दिनों में तेरी सूरत ही दिखाई देनी बन्द हो जाएगी''।

2. a) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक के विकास का परिचय दीजिए।

b) हिन्दी नाटक के विकास में मोहन राकेश की देन क स्पष्ट कीजिए।

3. a) मोहन राकेश के नाटकों की वस्तु संरचना का विश्लेषण कीजिए।

b) मोहन राकेश के नाटकों की मंचीयता की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

4. a) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के स्त्रोतकी चर्चा करते हुए मोहन राकेश के नाटक की मौलिकता का रेखांकन कीजिए।

b) 'लहरों के राजहंस' की कथावस्तु की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

5. a) 'आधे अधूरे' की पात्र - परिकल्पना की समीक्षा कीजिए।

b) बीज नाटक के शिल्प की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

ANDHRA UNIVERSITY
SCHOOL OF DISTANCE EDUCATION
ASSIGNMENT QUESTION PAPER 2019-2020
M.A. (Final) Hindi
Answer ALL Questions
PAPER : VI - OLD AND MEDIEVAL POETRY

20 Marks

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

a) i) सरवर तीर पदमिनी आई। खोंपर छेरि केस मुकलाई।
शसिमुख अंग मलयगिरि बासा। नागिन झांपि लीन्ह चुहँ पासा।
ओनई घटा परी जगछाँहा। ससि के सरन लीन्ह जनू राहाँ।।
छपिगै दिनहिं भानु के दसा। लेइ निसि नखत चाँद परगसा।

ii) नंदक नंदक कंदबक तरुतर धिरे धिरे मुरलि बजाव।
समय संकेत - निकेतन बइसल बेरि - बेरि बोलि पठाव।
सामरि, तोरा लाबि अनुखन बिकल मुरारि।
जमुनाक तिर उपवन उदवेगल फिरि फिरि ततहि निहरि।

b) i) कुट्टिल केश सुदेश, पौह परचियत पिक्क सद।
कमलगंध वयसंध, हंसगति चलत मंद मंद।।
सेत वस्त्र सौहे सरीर, नख स्वति बुंदजस।
भमर भँवहि भुल्लहिं सुझाव मकरंद बास रस।।

ii) मन अति भयो हुलास, बिगसि जनु कोक फिरन रवि।
अरुन अधर तिय सधर, बिंब फल जानि कीर छवि।।
यह चाहत चख चकित, उह जु तक्किय झरप्पि झर।
चंच चंहुट्टिय लोभ, लियौ तब गहित अप्प कर।।

c) i) हरि गोकुल की प्रीति ; चलाई,
सुनहु उपंगसुत मोहि न बिसरत ब्रजवासी सुखदाई।।
यह चित होत जाऊँ मैं अबही, यहाँ नहीं मन लागत।
गोप सुम्वाल गाय बन चारत अति दुख पायो त्यागत।।

ii) बंदऊँ मुनि पद कंजु रामायन जेहिं निरमयउ।
सखर सुकोमल मंजु दोष रहित दूषन सहिता।।
बंदऊँ चारिउ बेद भव बारिधि बोहित सरिस।
जिन्हहि न सपनेहुँ खेद बरनत रघुबर बिसद जसु।।

d) i) कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत है, नैननु ही सब बात।।
नासा मोरि नचाइ, जे, करि कका की सौंह।
कांटे सी कसकै ति हिय गडी कटीली भौंह।।

ii) आसा गुण बांधि कै भरौसो - सिल धर छाती,
पुरे पर सिंधु मैं न बूडत सकायहौं।।
दुखदव हिय जारि, अंतर उदेग आँचि,
रोम रोम त्रासनि निरंतर तचायहौं।।

2. a) भक्ति काव्य की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

b) 'पद्मावती समय' के काव्य के भाव पक्ष की समीक्षा कीजिए।

3. a) कबीर के काव्य में व्यंजित रहस्यवादी चेतना की समीक्षा कीजिए।

b) जायसी के काव्य में व्यक्त सूफी सिद्धांतों का परिचय दीजिए।

4. a) सूरदास की भक्ति भावना की समीक्षा कीजिए।

b) तुलसी के काव्य में परावर्तित लोकनायकत्व की समीक्षा कीजिए।

5. a) बिहारी की श्रृंगार भावना पर प्रकाश डालिए।

b) घनानांद के काव्य में व्यंजित प्रेममानुभूति की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

PAPER : VII - FUNCTIONAL HINDI AND TRANSLATION

20 Marks

1. a) राजभाषा हिंदी से संबंधित संविधान में उल्लिखित विविध संवैधानिक उपबंधों को स्पष्ट कीजिए।

b) भारत की राष्ट्र भाषा के रूप में हिंदी की पात्रता पर प्रकाश डालिए।

2. a) प्रयोजनमूलक हिंदी की शैलियों पर प्रकाश डालिए।

b) आलेखन क्या है? उस के महत्व पर प्रकाश डालिए।

3. a) अनुवाद की प्रक्रिया की समीक्षा कीजिए।

b) अनुवाद के प्रमुख प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

4. a) लोकोक्तियों को अनुवाद की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

b) पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के संदर्भ में प्रचलित विविध संप्रदायों का परिचय दीजिए।

5. अनुवाद कीजिए।

a) निम्नलिखित में से किन्ही दस अंग्रीजी वाक्यांशों का हिंदी पर्याय लिखिए।

(i) Cashier (ii) Notification (iii) Enclosure (iv) Casual Leave
(v) Accountant (vi) Chief Secretary (vii) Head Master (viii) Chancellor
(ix) Dearness allowance (x) Eduction Minister
(xi) Chief Justice (xii) Zonal Manager (xiii) Election Commissioner
(xiv) Law Minister (xv) Please send office copy

b) निम्नलिखित में से किन्ही पांच के हिन्दी समानार्थी कहावतों तथा मुहावरों को लिखिए।

i) Haster makes waster (ii) Too many cooks spoils the broth
(iii) Good mind, good find (iv) Hard nut to crack
(v) A drop in the ocean (vi) Tit for tat (vii) As you sow, so shall you reap
(viii) Empty vessels make much noice.

b) निम्नलिखित गद्धांश का एक तिहाई में संक्षेपण कीजिए।

विद्यार्थीगण भावी नागरिक हैं। विद्यार्थी विद्या सीखकर उस विद्या। के द्वारा की किसी न किसी प्रकार की सामाजिक सेवा में जुट जाते हैं। तद्वारा समाज को प्रयोजन पहुँचाकर अपने लिए आवश्यक धन का अजन करते हैं। इसी को दूसरे शब्दों में नौकरी या रोजगार कहा जाता है। रोजगार से ही आदमी अपने पैरों पर खडा हो सकता है। इसलिए आदमी सह नागरिक बनने के लिए तथा रोजगार के लिए विद्या सीखना आवश्यक है। विद्या या शिक्षा शिक्षालयों से ही प्राप्त हो सकती है। इसलिए बचपन में प्रत्यक को पाठशाला जाकर शिक्षा को प्राप्त करना आवश्यक है। शिक्षालयों में अध्यापकों से शिक्षा हासिल करना आसान है। की प्राति कठिन है। क्यों कि शिक्षालयों में ही अध्यापक होते हैं। उन के सहयोग से और प्रतिभा से विद्या प्राप्ति होती है। शिक्षालयों में विद्यार्थियों को पतन के मार्ग पर चलने से रोक कर विद्धा सिखाते हैं। इसलिए अपने बच्चों को उन्नति के पथ पर बढने का प्रोत्साह देना संरक्षकों का कर्तव्य है। इस दशा में कर्तव्यों की ओर ध्यान देना और अध्ययन में दत्तचित्त होकर जीवन को सफल बनाने में लगे रहना विद्यार्थियों का कर्तव्य है। देश का भविष्य विद्यार्थियों पर निर्भर रहता है। क्यों कि वे भावी नागरिक हैं। बच्चों के हदय इस समय कच्चे घडे के समान रहते हैं। उन पर जो प्रभाव इस समय पडते हैं, वे शाश्वत रहते हैं। उन के कोमल मन को हम जिस दिशा में चाहते हैं, उधर मोड सकते हैं। उन्हें देवता बना सकते हैं अथवा दानव।

(d) **निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।**

In human relations friend has best place. Because Friend has no selfishness as other human relations. In comparison with family relations. Friend has great role in one's development. It is a great blessing to have good and sincere friend. One who assists us in the hour of difficulty and misfortune is our true friend. It is the duty of every man to stand by his friends in difficulty and it is for this reason the proverb runs thus. "A friend in need is a friend indeed". We fall in performing our duty, if we do not assist out friends in difficulty. He is really a blessed man, who has a sincere friend in this world. Let us, therefore always pray to have a true friend.

PAPER : VIII - LINGUISTICS AND HISTORY OF HINDI LANGUAGE

सूचना : सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

20 Marks

1. a) भाषाओं के आकृतिमूलक वर्गीकरण की समीक्षा कीजिए।

   b) भाषा विज्ञान के इतिहास पर प्रकाश डालिए।

2. a) ध्वनि की परिभाषा देते हुए ध्वनियंत्र पर प्रकाश डालिए।

   b) विविध ध्वनि नियमों का परिचय दीजिए।

3. a) रूप परिवर्तन के कारणों पर प्रकाश डालिए।

   b) वाक्य परिभाषा देते हुए वाक्य के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

4. a) हिंदी भाषा के उद्भव और विकास को स्पष्ट कीजिए।

   b) हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय दीजिए।

5. a) हिंदी सर्वनामों के विकास की समीक्षा कीजिए।

   b) भारत की प्राचीन लिपियों पर प्रकाश डालिए ।

PAPER : IX (4) - HINDI KATHA SAHITYA

20 Marks

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

a) i) दो तीन बार लड़के ने फिर पूछा - 'तेरी कुडमाई हो गई।'
और उत्तर में वही 'धत' मिला। एक दिन जब फिर लड़के
ने वैसे ही हँसी में चिढाने के लिए पूछा तो लड़की,
लड़के की संभावना के विरूद्ध बोली, 'हो, हो गई।'

   ii) तीन चार घुमाव हैं। जहाँ मोड हैं, वहाँ पंद्रह जवान खडे कर आया हूँ। तुम यहाँ दस आदमी छोड़कर सब को साथ ले उन से जा मिलो। खंदक छन कर वहीं, जब तक दूसरा हुक्म न मिले।

b) i) अब तो सब को किफायत सूझती है। सादी - ब्याह में मत खर्च करो, क्रिया कर्म में मत खर्च करो। पूछो, गरीबों का माल बटोर - बटोरकर कहाँ रखोगे? बटोरने में कमी नहीं है। हाँ खर्च में किफायत सूझती है।

   ii) हाँ बेटा वैकुंट में जयोगी। किसी को सताया नहीं, किसी को दबाया नहीं। मरते मरते हमारी जिदगी की सब

से बडी लालसा पूरी कर गई। वह न वैकुंठ में जायेगी तो क्या ये मोटे - मोटे लोग जायोंगे, जो गरीबों को दोनों हाथों से लूटते हैं, और अपने पाप को धोने के लिए गंगा में नहाते हैं और मंदिरों में जल चढाते हैं।

c) i) बालक बडे उल्लास थे, एक अद्भुत चीच पर जाने की आशा में कैमरे के लँस की तरफ एकटक देख रहा था। माँ भी यह ध्यान से देख रही थी, कि फोटोग्राफी कैसे होती है।

ii) मैं साल भर से इसी चौथी मार्च को भटक रही थी। सोच रही थी - तुम मिलोगे तो तस्वीर खिचवाऊँगी, तुम मिल गए, तस्वीर खिंच गई। दोनों को मिलाकर तुम एक तस्वीर बनवाओगेन?

d) i) मेरे लिए सब भूमि मिट्टी है, सब जगह तरल है, सब पवन शीतल है। कोई विशेष आकांक्षा हदय में अग्नि के समान प्रज्ञवलित नहीं। सब मिल कर मेरे लिए एक शून्य है।

ii) स्मरण होता है वह दार्शनिकों का देश। वह महिमा की प्रतिमा। मुझे वह स्मृति नित्य आकर्षित करती है। परन्तु मैं क्यों नहीं जाता? जानती हो, इतना महत्व प्राप्त करने पर भी कंगाल हूँ। मेरा पत्थर सा हदय एक दिन सहसा तुम्हारे स्पर्श से चंद्रकांता - मणि की तरह द्रवित हुआ।

2. a) स्वातंत्र्योत्तर काल के प्रमुख हिंदी उपन्यासों पर प्रकाश डालिए।

b) 'गोदान' उपन्यास में अभिव्यंजित भारतीय किसान जीवन की समिक्षा कीजिए।

3. a) 'शेखर एक जीवनी' उपन्यास की मनोवैज्ञानिकता पर प्रकाश डालिए।

b) 'शेखर एक जीवनी' उपन्यास के शेखर चरित्र के वैशिष्टय को स्पष्ट कीजिए।

4. a) 'बाण भट्ट की आत्म कथा' उपन्यास की प्रासंगिकता की समीक्षा कीजिए।

b) 'बाण भट्ट की आत्म कथा' उपन्यास की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए।

5. a) कहानी तत्वों के आधार पर 'कितना बडा झूठ' कहानी की समीक्षा कीजिए।

b) कहानी तत्वों के आधार पर 'आकाश दीप' कहानी की समीक्षा कीजिए।

PAPER : X (5) - ESSAY

20 Marks

1. किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए।
   a) संत काव्य की प्रवृत्तियाँ।
   b) रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ
   b) हिंदी नाटकः उद्भव और विकास
   b) छायावाद और छायावाद के बाद।
   b) नयी कहानी।
   b) प्रगतिवादी काव्य परंपरा।
2. किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए।

b) भावात्मक एकता और शिक्षा ।

b) विद्यार्थी और राजनीति।

b) युद्ध और शांति।

b) विज्ञानः एक बरदन।

b) भारत में प्रजातंत्र।

b) गांधीवाद और समाजवाद।

PAPER : IV(5) - FOLK LITERATURE

20 Marks

1. a) लोक साहित्य की परिभाषा देते हुए उस की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

   b) हिंदी में हुए लोक साहित्य संग्रह संबंधी विविध प्रयासों का परिचय दीजिए।

2. a) लोक गीत की परिभाषा देते हुए लोक गीतों की विषय - वस्तु पर प्रकाश डालिए।

   b) लोक गाथा का अर्थ बतलाते हुए उन की विशेषताओं को समझाइए।

3. a) प्राचीन भारतीय लोक कथाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

   b) लोक कथा और आधुनिक कहानी के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

4. a) हिंदी में प्रचलित लोक नाट्यों पर प्रकाश डालिए।

   b) हिंदी की प्रचलित मुहावरें एवं कहावतों का सोदाहरण परिचय दीजिए।

5. a) आंध्र के लोक गीतों में परावर्तित नारी जीवन की विशेषताओं को समझाइए।

   b) तेलुगु में प्रचलित लोक नाट्यों पर प्रकाश डालिए।